

**“रामदरश मिश्र के काव्य में प्रतिबिंबित  
युगीन जीवन”**

**(‘रामदरश मिश्र की प्रतिनिधि कविताएँ’ तथा ‘बाजार को  
निकले हैं लोग’ के विशेष संदर्भ में)**

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) की  
एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत  
लघु शोध-प्रबंध

**शोध-छात्र**

श्री. अनिल विठ्ठल मकर

एम्.ए. (हिंदी)

**शोध-निर्देशक**

डॉ. प्रकाश शंकरराव चिकुर्डेकर

एम्.ए., बी.एड., एम्.फिल., पीएच.डी.

वरिष्ठ (श्रेणी) अधिव्याख्याता,

हिंदी विभाग,

यशवंतराव चव्हाण वारणा महाविद्यालय, वारणानगर,

जि. कोल्हापुर

**शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)**

दिसंबर, 2007

ॐ ७७०-६२३४-७०१५५॥